प्लासी एवम् बक्सर का युद्ध

"IAS PCS Factory"

प्लासी से संबंधित कथन/विचार

- कोई ऐसा युद्ध नहीं हुआ है जिसके तात्कालिक एवम् स्थायी परिणाम इतने महत्वपूर्ण हुए हो — जी. बी. मैलिसन
- प्लासी का युद्ध केवल कंपनी के लिए ही नहीं, बल्कि सामान्यतः ब्रिटिश राष्ट्र के लिए असाधारण महत्व का था.
  — एडमिरल वाटसन
- प्लासी की लड़ाई के बाद भारत में अनंत अंधकारमयी रात्री आरंभ हो गई — नवीन चंद्र सेन
- प्लासी के युद्ध ने परिवर्तनों की लंबी प्रक्रिया आरंभ की जिसने भारत का स्वरूप बदल दिया। सदियों से प्रचलित आर्थिक और शासकीय व्यवस्था बदल गई
  — ताराचंद
- 23 जून 1757 को भारत का मध्य युग समाप्त हुआ और आधुनिक युग आरंभ हुआ — यदुनाथ सरकार

IAS PCS Factory

बक्सर से संबंधित कथन/विचार

- चाहे आप इसे देशी तथा विदेशियों के बीच द्वंद्वयुद्ध समझें अथवा ऐसी सारगर्भित घटना जिसके परिणाम स्थायी तथा विशाल थे, बक्सर को सबसे निर्णायक युद्धों में गिना जाएगा — मैलिसन
- बक्सर ने अंत में कंपनी के शासन की बेड़ियों को बंगाल पर जकड़ दिया — रैम्जे म्योर
- प्लासी ने सत्ता का हस्तांतरण किया, परंतु 1764 ई० में बक्सर के युद्ध ने अधिकारों का सृजन किया। कंपनी के इतिहास मे वैधानिक आर्थिक व्यापार का युग समाप्त हो गया तथा राजनीतिक सत्ता के अंतर्गत राजकीय राजस्व के साथ व्यापार का युग आरंभ हुआ।
  — ताराचंद

IAS PCS factory

IAS pcs factory

"आंग्ल - फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्विता मे विजय प्राप्त करने के अतिरिक्त 18 वीं शताब्दी में अंग्रेजों ने बंगाल पर भी अपना आधिपत्य कायम कर लिया। बंगाल की सुदृढ़ स्थिति ने अंततः उन्हें समस्त भारत का स्वामी बना दिया। बंगाल मे अंग्रेजी सत्ता की स्थापना दो महत्वपूर्ण युद्धों - प्लासी एवं बक्सर के चलते हुई। इन युद्धों ने बंगाल में अंग्रेजो की सत्ता स्थापित कर दी तथा समूचे भारत को अँगरेजी बेड़ियों में जकड़ दिया। अब अंगरेज व्यापारी से शासक बन गए।"

प्लासी के युद्ध के कारण/पृष्ठभूमि: (IAS pcs factory)

- अंग्रेजों के व्यापारिक हित एवम् विस्तारवादी नीति
- दस्तक का दुरुपयोग।
- अंग्रेजों द्वारा कृष्ण वल्लभ को शरण दिया जाना
- नवाब के अनुमति के बिना फोर्ट विलियम की अतिरिक्त किलेबंदी
- अंगरेजो ने सिराजुद्दौला के नवाब बनने पर उसे नजराना नहीं भेजा
- ब्लैक होल (काली कोठरी) की दुर्घटना
- सिराजुद्दौला द्वारा चंद्रनगर से जान बचाकर भागे हुए फ्रांसीसियों को अपने यहां शरण देना (अलीनगर की संधि का उल्लंघन)। यह प्लासी के युद्ध का तात्कालिक कारण बना।

षड्यंत्र

क्लाइव ने नवाब के दरबार में ब्रिटिश प्रतिनिधि वाट्स के माध्यम से सिराजुद्दौला के असंतुष्टों के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा।

जगतसेठ यारलुत्फ खां (यारलतीफ खां) को नवाब बनाना चाहता था किंतु अंग्रेजों की नजर में मीर जाफ़र अधिक प्रभावशाली था.

षड्यंत्र मे शामिल लोग: मीर जाफर, राय दुर्लभ, मानिकचंद, अमीचंद, जगतसेठ, खादिम खां आदि।

10 जून को एक नियामित संधि की गई कि किसे क्या मिलेगा मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे अमीचंद ने अंतिम क्षणों में पोल खोलने की धमकी देते हुए एक बड़ी धनराशि की मांग की। अमीचंद को शांत करने के लिए क्लार्इव ने संधि की 2 प्रतियां तैयार कराया। सफेद कागज पर लिखी गई संधि में 13 धारा जबकि लाल कागज पर लिखी गई संधि मे 14 धारा थी। अतिरिक्त प्रावधान के अनुसार अमीचंद को 30 लाख रु० नकद तथा नवाब के खजाने से 5% मिलना था.

वाट्सन ने लाल कागज वाले संधि पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया तो क्लाइव ने लुशिंगटन नामक अधिकारी से जाली हस्ताक्षर करा लिया।

IAS PCS factory

प्लासी का युद्ध :

- 23 जून 1757 को क्लाईव एवम् सिराज के मध्य भागीरथी नदी के किनारे

अंग्रेजो के पास 950 यूरोपीय पैदल, 100 यूरोपीय तोपची, 50 नाविक और 2100 भारतीय सैनिक थे जबकि नवाब के पास मीर जाफर के नेतृत्व मे 50000 सैनिक थे.

मीरजाफर के अलावा 2 अन्य मुख्य सेनापति यारलुत्फ खां और राय दुर्लभ भी क्लाइव के साथ मिल चूके थे।

नवाब की तरफ से मीर मदान व मोहन लाल के नेतृत्व वाली एक छोटी टुकड़ी ने बहादुरी से संघर्ष किया।

50-50 फ्रांसीसी सैनिकों ने अपने सेनापति सिनफ्रे (सेंट फ्राइस) के नेतृत्व मे इस युद्ध मे भाग लिया।

दुर्भाग्यवश गोली लगने से मीर मदान मारा गया। इससे विलचित सिराजुद्दौला ने मीर जाफर की दगाबाजी भरी सलाह मानते अपनी सेना को पीछे हटा लिया।

प्लासी का युद्ध एक सैनिक झड़प से कुछ अधिक नहीं था। कुछ ही घंटों चले इस युद्ध में अंग्रेजों के 29 तथा नवाब के करीब 500 व्यक्ति मारे गए।

"IAS PCS factory"

युद्ध के परिणाम और महत्व :

राजनीतिक परिणाम
- बंगाल मे एक ब्रिटिश संरक्षित राज्य की स्थापना हुई
- बंगाल में अंग्रेजों की सर्वोच्चता स्थापित हुई
- मुगल साम्राज्य की दुर्बलता स्पष्ट हुई
- ईस्ट इंडिया कंपनी के स्वरूप में परिवर्तन आया

सैनिक परिणाम
- भारतीय सेना का भाड़ेतंत्रीय स्वरूप उजागर
- विजय से अंग्रेजों को बारूद निर्माण सामग्री शोरा की प्राप्ति
- सैन्य दृष्टि से महत्व कम क्योंकि यह युद्ध नहीं बल्कि एक सौदा था.

आर्थिक परिणाम
- विजय के साथ ही बंगाल की लूट प्रारंभ हुई
- बंगाल के संसाधनों पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण
- भारत का औपनिवेशिकरण प्रारम्भ
- नए युग की शुरुआत - भारतीय दासता का युग

नैतिक परिणाम
- इसका नैतिक परिणाम भारतीयों पर बहुत ही बुरा पड़ा. एक व्यापारी कंपनी ने भारत आकर यहाँ के सबसे धनाढ्य प्रांत के सूबेदार को अपमानित कर गद्दी से हटा दिया और मुगल सम्राट एवं अन्य तमाशा देखते रहे। उनका अँगरेजों का प्रतिरोध करने का हौसला कमजोर हो गया।

"IAS PCS factory"

IAS PCS factory

बक्सर के युद्ध के कारण

IAS PCS Factory

- अंग्रेजों एवम् नवाब के मध्य महत्वाकांक्षा की टकराहट
- अंग्रेजों द्वारा दस्तक एवम् फरमान का दुरुपयोग
- अंग्रेजों के आंतरिक व्यापार पर सभी शुल्कों/चुंगी की समाप्ति
- कंपनी के कर्मचारियों का दुर्व्यवहार –
- नवाब के आर्थिक, सैनिक सुधार एवम् राजधानी परिवर्तन
- पटना में कंपनी के एजेंट एलिस ने नवाब के निजी प्रयोग के लिए शोरा खरीदने वाले एक आर्मीनियन को बंदी बना लिया क्योंकि शोरे के व्यापार पर अंग्रेजो का एकाधिकार था.
- मीर कासिम द्वारा आंतरिक व्यापार पर लगे करों को हटाया जाना।

IAS PCS Factory

बक्सर का युद्ध – 23 अक्टूबर 1764

मीर कासिम, शुजाउद्दौला, एवम् शाहआलम II की सेना एवम् हेक्टर मुनरो के बीच

नवाब के अधिकारी असद खां, जैनुल आबदीन तथा गुलाम हुसैन अंग्रेजों के पक्ष में शामिल हो गए.

पटना हत्याकांड एवम् अन्य घटनाओं का विस्तृत विवरण क्लास के दौरान दिया जाएगा।

बक्सर के युद्ध का महत्व

- बंगाल के वास्तविक शासक की पहचान हुई
- बक्सर के युद्ध ने प्लासी के परिणामों की पुष्टि की
- प्लासी की लड़ाई ने सत्ता का हस्तांतरण किया, बक्सर की लड़ाई ने अधिकारों को जन्म दिया
- भारत की प्रमुख शक्तियाँ पराजित - कंपनी के लिए भारत विजय का दरवाजा खुला
- इलाहाबाद की संधि से बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा की दीवानी अधिकार मिला
- बंगाल की लूट की प्रक्रिया तेजी से बढ़ी

IAS PCS Factory

प्लासी एवम् बक्सर युद्ध की तुलना "IAS pcs factory"

तुलना का आधार	प्लासी युद्ध	बक्सर युद्ध
स्वरूप	युद्ध नही, षडयंत्र	वास्तविक युद्ध
भाग लेने वाली शक्तियाँ	सिराजुद्दौला एवं कंपनी	संयुक्त मोर्चा एवं कंपनी
परिणाम	प्रभाव मुख्यतः बंगाल पर	भारतीय राजनीति में अंग्रेजों का हस्तक्षेप बढ़ा

प्लासी के युद्ध की अपेक्षा बक्सर का युद्ध अधिक निर्णायक सिद्ध हुआ और इसके परिणाम भी ज्यादा व्यापक हुए। प्लासी के युद्ध ने जिस घटनाक्रम को प्रारंभ किया था बक्सर ने उसे पूरा कर दिया। एक ने अंगरेजो को भारतीय राजनीति में पांव रखने का मौका दिया, तो दूसरे ने उन्हें भाग्यविधाता बना दिया। निःसंदेह, बक्सर का युद्ध अधिक महत्वपूर्ण था; परंतु इससे प्लासी के युद्ध का महत्व कम नहीं हो जाता। वस्तुतः, दोनों ही एक-दूसरे के पूरक थे। अगर, दोनो युद्धों में एक भी अंगरेजों के विपक्ष में गया होता तो भारतीय इतिहास का रूप दूसरा ही होता।

IAS pcs factory

IAS PCS factory